This question paper contains 4 printed pages.

2462A *Your Roll No.* .....

LL.B. / III Term **FC**

BUSINESS ASSOCIATION – I (OC)

Time : 3 hours *Maximum Marks* : 100

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

NOTE:— *Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.*

टिप्पणी:— *इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।*

*Attempt any **five** questions.*
All questions carry equal marks.

*किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Partnership firm is not a 'legal entity' or 'person' and has no separate and distinct existence apart from the partners composing it but is merely an association of individuals and the firm is only a collective name of those individuals who compose the firm. Comment.

भागीदारी फर्म कोई 'विधिक सत्ता' या 'व्यक्ति' नहीं है और इसको बनाने वाले भागीदारों के अलावा इसके पास कोई पृथक

P. T. O.

तथा सुभिन्न अस्तित्व भी नहीं है बल्कि मात्र व्यक्तियों की एसोसिएशन है तथा फर्म उन व्यक्तियों का सामूहिक नाममात्र हैं जिन्होंने इसका गठन किया है। टिप्पणी लिखिए।

2. (a) What are the duties of partners?

भागीदारों के क्या कर्त्तव्य हैं?

(b) A, B, C and D are partners in a firm X. A without the consent of B, C and D transferred his interest in the firm to P. What are the rights of P against B, C and D?

A, B, C और D फर्म X में भागीदार हैं। A ने B, C तथा D की सहमति के बिना फर्म में अपने हित को P को अंतरित कर दिया। B, C तथा D के विरुद्ध P के क्या अधिकार हैं?

3. (*a*) What is 'express authority'? Discuss the statutory restrictions on implied authority of a partner.

'अभिव्यक्त प्राधिकार' क्या होता है? किसी भागीदार के अन्तर्निहित प्राधिकार पर कानूनी निबन्धनों का विवेचन कीजिए।

(b) One of the partners in a firm committed an act of breach of contract by bribing a clerk of a rival businessman. The other partner was not aware of it. Can the other partner be held liable for this act?

फर्म के एक भागीदार ने प्रतिद्वन्द्वी कारोबारी के एक क्लर्क को रिश्वत देकर संविदा भंग का कृत्य किया। अन्य

भागीदार को इसकी जानकारी नहीं थी। क्या इस कृत्य हेतु अन्य भगीदार को दायित्वाधीन ठहराया जा सकता है?

4. What is Doctrine of 'Holding Out'? Explain with the help of decided cases.

व्यपदेशन करने का सिद्धान्त क्या होता है? विनिश्चित केसों की सहायता से स्पष्ट कीजिए।

5. (a) What is partnership property? Discuss the relevance of goodwill as an asset of the firm.

भागीदारी सम्पत्ति क्या है? फर्म की आस्ति के रूप में गुडविल (goodwill) की सुसंगति का विवेचन कीजिए।

(b) Discuss the validity of partnership consisting of two major and one minor partners.

दो वयस्क तथा एक अवयस्क व्यक्ति से गठित भागीदारी की विधिमान्यता विनिश्चित कीजिए।

6. Is registration of a partnership firm compulsory under the Partnership Act, 1932? State the effects of non-registration with the help of decided cases.

क्या भागीदारी अधिनियम, 1932 के तहत किसी भागीदारी फर्म का रजिस्ट्रीकरण अनिवार्य है? विनिश्चित केसों की सहायता से अरजिस्ट्रीकरण के परिणामों का उल्लेख कीजिए।

7. (a) State the conditions that must be fulfilled before the doctrine of ratification can apply to an act of an agent.

उन शर्तों का उल्लेख कीजिए जिनको अनुसमर्थन का सिद्धान्त एजेन्ट के कृत्य पर लागू हो सकता है, इससे पहले पूरा किया जाना होगा।

(b) A has an authority from P to buy certain goods at the market rate. He buys at a higher rate but P accepts the purchase. Afterwards, P comes to know that the goods purchased belonged to A himself. Is ratification binding on P? Explain.

A के पास बाजार दर पर कतिपय माल खरीदने का P द्वारा दिया गया प्राधिकार है। वह बाजार दर से ऊँची दर पर क्रय करता है पर P क्रय को स्वीकार कर लेता है। बाद में P को जानकारी मिलती है कि खरीदा गया माल स्वयं A का ही था। क्या अनुसमर्थन P पर आबद्धकर है? स्पष्ट कीजिए।

8. Write short notes on any *two* of the following:

(a) Position of minor in a firm

(b) Distinction between Company and limited liability Partnership

(c) Dissolution of firm by Court

(d) Partnership at will.

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए:

(a) फर्म में अवयस्क की स्थिति

(b) कम्पनी तथा सीमित दायित्व भागीदारी

(c) न्यायालय द्वारा फर्म का विघटन

(d) इच्छाधीन भागीदारी।